जय काली जय काली काली जय काली माँ

हे रन चंडी कपालनी माँ चामुंडा माँ काली
जय काली जय काली काली जय काली माँ

हाहा कार मचा असुरो में जब तू लड़ने आई
दिखा न कोई जो तूने माँ रन में शक्ति दिखाई माँ
सारे देवो की जगजगनी तूने की रखवाली
जय काली जय काली काली जय काली माँ

रकत बीज जैसे दानव का तुमने माँ संगार किया,
मार मार असुरा का तूने भर भर खपर रकत पिया
नर मुंडो की पहने माला चले चाल कनकाली
जय काली जय काली काली जय काली माँ

नर संगार शुरू हुआ जो कोई समज ना पाए
देव असुरो की सुन के प्राथना महाकाल अकुलाये
पाँव पड़ा जब शिव पे कुंदन तूने जीब निकाली
जय काली जय काली काली जय काली माँ

Source: https://www.bharattemples.com/jai-kaali-jai-kaali-kaali-jai-kaali-maa/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw